सकारात्मक सोच से बदले समाज का रूप-दादी जानकी

नवनिर्मित मेडिटेशल हॉल के उदघाटन पर उमड़ा लोगों का हुजुम

गांधीधाम, 29 अगस्त। आज समाज में फैलता नकरात्मकता के जहर ने समाज का कुत्सित रूप कर दिया है। टूटते पारिवारिक रिश्ते, सामाजिक विघटन, साम्प्रदायिकता सब नकारात्मक सोच के ही परिणाम है। वर्तमान समय की आवश्यकता है कि सकारात्मक सोच से बेहतर समाज की स्थापना करें। उक्त विचार प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की मुख्य प्रशासिका 95 वर्षीय राजयोगिनी दादी जानकी ने व्यक्त किये। वे प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा नवनिर्मित शिव कल्याणकारी भवन के उदघाटन अवसर पर उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रही थी।

वैश्विक स्थिर चित्त के खिताब से नवाजी जा चुकी वयोवृद्ध अवस्था में भी युवा शक्ति का एहसास कराने वाली दादी ने कहा कि हमने भौतिक तरक्की बहुत की है परन्तु मुख्य सुख-शांति की स्थापन तथा भारतीय संस्कृति की प्राचीन विरासत को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। इसलिए दिन-प्रतिदिन नकारात्मक घटनाओं को अम्बार खड़ा होता जा रहा है। जरूरत है कि विज्ञान की सत्ता के उपयोग के साथ-साथ आध्यात्मिक सत्ता को साथ लेकर चले तो एक बेहतर समाज की स्थापना हो सकती है। गांधीधाम तथा कच्छ क्षेत्र इन सभी भावनाओं में विश्वास रखता है परन्तु इसके वास्तविकता को समझ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होनें आशा व्यक्त की कि इस नये मेडिटेशन हॉल से लोगों को अपने जीवन में आन्तरिक बदलाव कर सकने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि हमारी सोच ही हमारे श्रेष्ठ और बुरे कर्मों की आधार बनती है। इसलिए अपने कर्मों पर विशेष ध्यान रखते हुए प्रत्येक कार्य करने की जरूरत है। राजयोग ध्यान और आध्यात्मिक ज्ञान परमात्मा से सीधे संवाद करने का मुख्य माध्यम है। इसलिए परमात्म से शक्तियों को प्राप्त करने के लिए राजयोग का अभ्यास करें।

एसआरसी ट्रस्ट की अध्यक्ष निर्मला गजवानी ने कहा कि आज हम सभी गांधीधाम निवासियों के लिए विशेष गौरव का दिन है कि दादी जानकी और दादी रतनमोहिनी जी के पवित्र पैर पड़े हैं। यदि हम सभी इनके जीवन से सीख लेकर दिनचर्या का अंग बनाये तो जीवन में कभी भी अशांति और दु:ख को स्थान नहीं मिल सकता है। उन्होंने सभी शहरवासियों की ओर से दादीजी का अभिनन्दन भी किया। ब्रह्मकुमारीज संस्था के सूचना एवं जनसम्पर्क निदेशक ब्र. कु. करूणा ने सभी लोगों से अपील की कि वे अपने जीवन में सुख शांति का संचार करने के लिए मूल्यों को जीवन में आत्मसात करें।

कच्छ अंजार की विधायिका श्रीमती निमा आचार्य ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से शहर का वातावरण सकारात्मक बनता है। आगे भी ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन होता रहे तो इससे यहाँ के लोगों जीवन में नये ऊर्जा का संचार होगा। थाना से आये समाजसेवक नानजी खीमजी ठक्कर ने कहा कि सभी समाजसेवी संस्थाओं को एक मंच पर आकर इस संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास करें। अंजार के उपजिलाधिकारी हर्षद एम बोरा ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज का कार्य एक खुली किताब की तरह है। जिससे अपने जीवन के प्रत्येक कर्म और विकर्म साक्षात दिखने लगते हैं। इसलिए हमे अपना जीवन श्रेष्ठ और पुरूषोत्तम जैसा बाना चाहिए। इस अवसर पर गुजरात जोन की मुख्य संचालिका ब्र. कु. सरला, महाराष्ट जोन की संचालिका ब्र. कु. संतोष, गांधीधाम की मुख्य संचालिका ब्र. कु. भारती, मुलुण्ड सब जोन की प्रभारी ब्र. कु. गोदावरी बहन तथा ब्र. कु. निर्मला ने भी सभा को सम्बोधित कर अपने विचार रखें।

इससे पूर्व दादी जानकी तथा अन्य अतिथियों ने फीता काटकर तथा दीप जलाकर नवनिर्मित भवन का उदघाटन किया। इसके पश्चात सभी ने नारीयल तोड़कर तथा झंडारोहण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। दादीजी के आगमन में कच्छ क्षेत्र से आये सैकड़ों लोगों ने परम्परागत रूप से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र. कु. सरला ने किया।

फोटो, 1, 2, 3, 4, 5 दादी के इंतजार में खडे लोग, फीता काटकर उदघाटन करती राजयोगिनी दादी जानकी, सभा को सम्बोधित करती दादी तथा सभा में उपस्थित लोग।